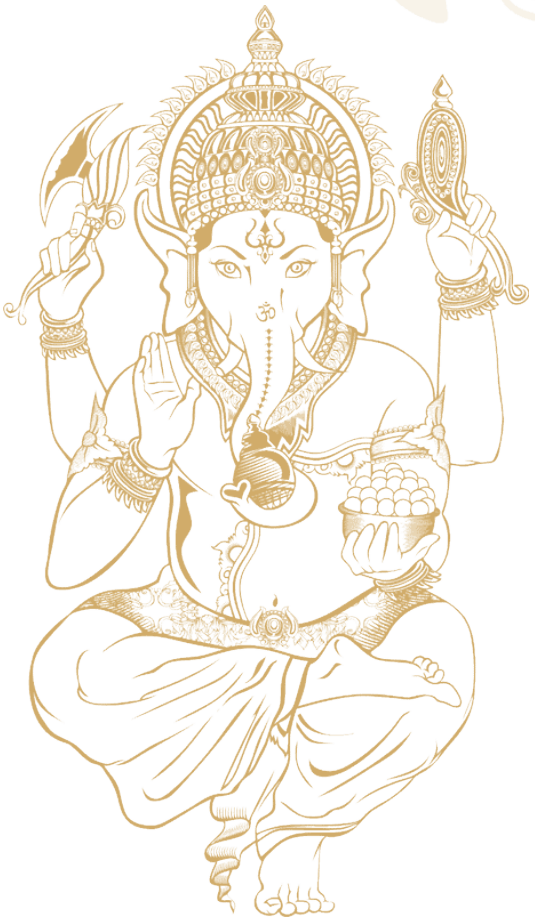

Rinku Tyagi

Neha Tyagi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121079801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121079801 Date: 27/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/10/1993	जन्म तिथि	19/01/1995
मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 08:15:00	जन्म समय	13:50:00 घंटे
घटी 04:24:51	जन्म समय(घटी)	16:28:08 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Noida
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:40:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:29:03	सूर्योदय	07:13:54
17:40:59	सूर्यास्त	17:48:03
23:46:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:29

वृश्चिक	लग्न	वृष
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कुम्भ	राशि	सिंह
शनि	राशि-स्वामी	सूर्य
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	मघा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	केतु
1	चरण	2
ध्रुव	योग	आयुष्मान
बव	करण	वणिज
से-सेनजित	जन्म नामाक्षर	मी-मीनाक्षी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	वनचर
सिंह	योनि	मूषक
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मेष	वर्ग	मूषक

SHUBHI MISRA (Neelu) Astrology I Vastu
Shree Vardhman Flora, Sector-90, Gurgaon
9205067332
shubhi.misra007@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 14वर्ष 10मा 17दि	00:45:47	वृश्चि	लग्न	वृष	11:02:02	केतु 4वर्ष 8मा 8दि
शनि	08:55:46	तुला	सूर्य	मक	04:59:34	चन्द्र
12/09/2008	20:55:58	कुंभ	चंद्र	सिंह	04:24:01	28/09/2025
13/09/2027	26:12:30	तुला	मंगलव	सिंह	07:05:12	28/09/2035
शनि 16/09/2011	28:44:06	तुला व	बुध	मक	23:43:16	चन्द्र 29/07/2026
बुध 26/05/2014	02:56:59	तुला	गुरु	वृश्चि	14:25:23	मंगल 27/02/2027
केतु 05/07/2015	18:46:45	कन्या	शुक्र	वृश्चि	18:14:05	राहु 28/08/2028
शुक्र 03/09/2018	29:51:44	मक व	शनि	कुंभ	15:54:44	गुरु 28/12/2029
सूर्य 16/08/2019	09:40:08	वृश्चि व	राहु व	तुला	17:25:05	शनि 29/07/2031
चन्द्र 17/03/2021	09:40:08	वृष व	केतु व	मेष	17:25:05	बुध 28/12/2032
मंगल 26/04/2022	24:47:59	धनु	हर्ष	मक	02:45:25	केतु 29/07/2033
राहु 02/03/2025	24:47:15	धनु	नेप	धनु	29:28:11	शुक्र 29/03/2035
गुरु 13/09/2027	00:45:42	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	06:15:28	सूर्य 28/09/2035

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:29 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:29

लग्न-चलित

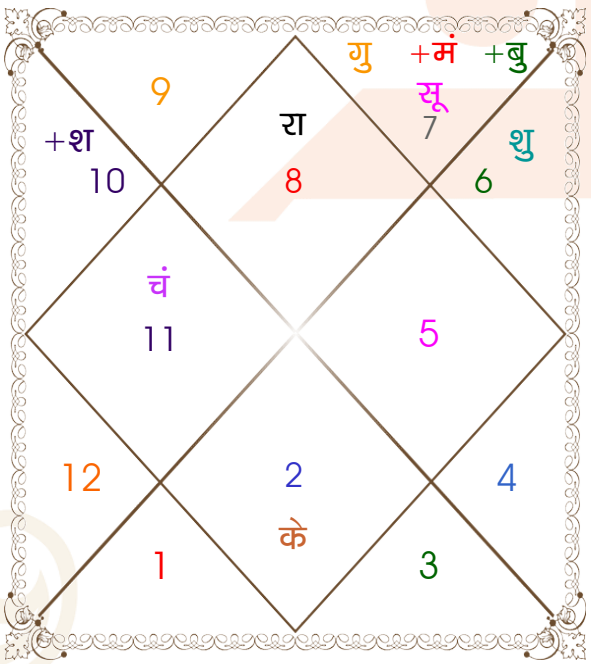

लग्न-चलित

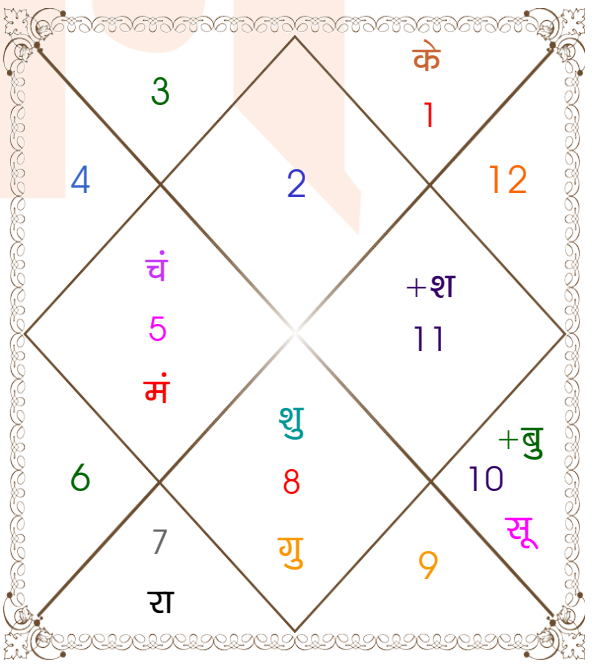

SHUBHI MISRA (Neelu) Astrology I Vastu
Shree Vardhman Flora, Sector-90, Gurgaon
9205067332
shubhi.misra007@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

कुल : **18.5 / 36**

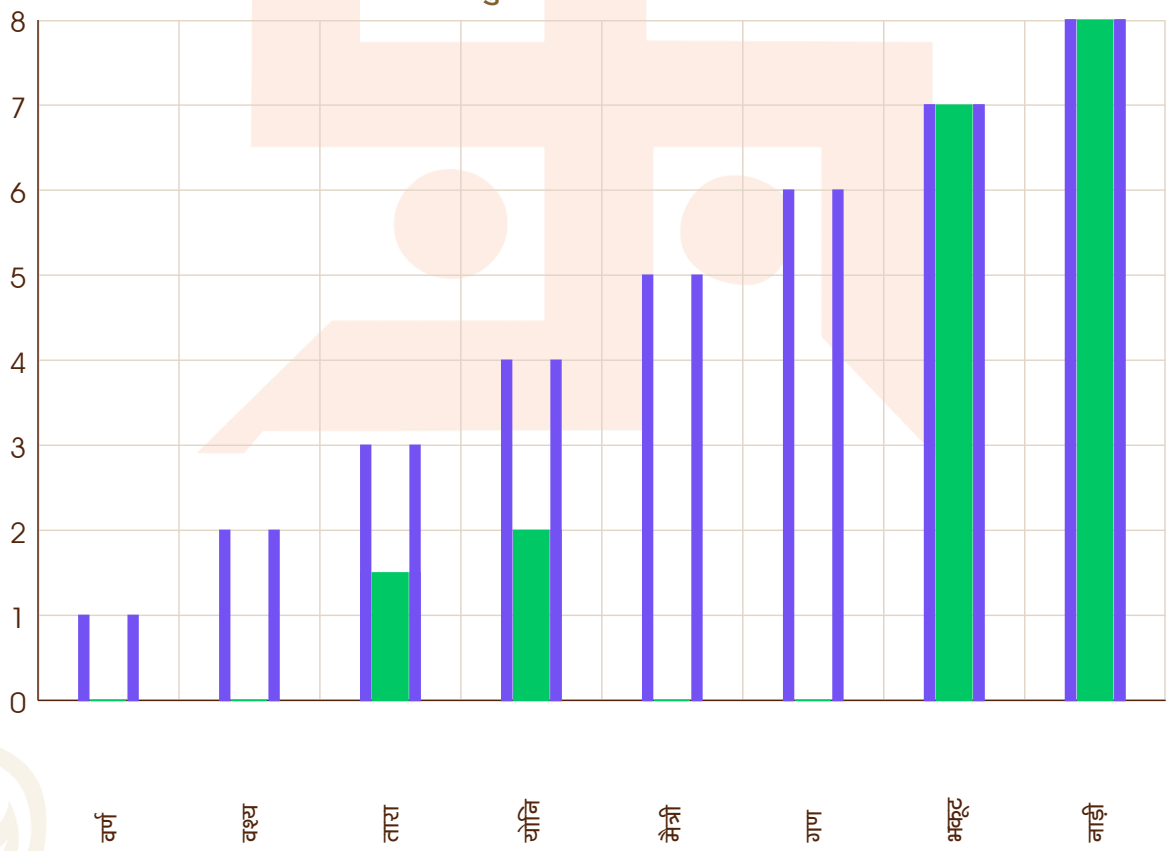

SHUBHI MISRA (Neelu) Astrology I Vastu
Shree Vardhman Flora, Sector-90, Gurgaon
9205067332
shubhi.misra007@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Rinku Tyagi का वर्ग मेष है तथा Neha Tyagi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rinku Tyagi और Neha Tyagi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Rinku Tyagi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Rinku Tyagi कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Rinku Tyagi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Neha Tyagi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Neha Tyagi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Neha Tyagi कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Rinku Tyagi कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rinku Tyagi तथा Neha Tyagi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Rinku Tyagi का वर्ण शूद्र है तथा Neha Tyagi का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Neha Tyagi का वर्ण Rinku Tyagi के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Neha Tyagi अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Neha Tyagi का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Rinku Tyagi को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

Rinku Tyagi का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Neha Tyagi का वश्य वनचर अर्थात सिंह (शेर) है अतः यह मिलान बहुत अशुभ मिलान है। शेर हमेशा मनुष्य के लिए संकट उपस्थित करता है। ये मनुष्य को हानि पहुंचाता है तथा घायल करते हैं व कभी-कभी मारकर खा भी जाते हैं। अतः यह मिलान उचित नहीं है क्योंकि Rinku Tyagi हमेशा Neha Tyagi से भय महसूस करेगा। Neha Tyagi हमेशा Rinku Tyagi पर हावी रहेगी, पति के ऊपर वर्चस्व स्थापित करेगी तथा अपने पति को अपनी हर आज्ञा के लिए बाध्य करेगी जो स्वीकार करने योग्य नहीं है क्योंकि इससे विकास एवं समृद्धि प्रभावित होगी। Neha Tyagi हमेशा कोई न कोई समस्या उत्पन्न करती रहेगी जिससे घर एवं परिवार की शांति भंग होगी।

तारा

Rinku Tyagi की तारा वध तथा Neha Tyagi की तारा क्षेम है। Rinku Tyagi की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Rinku Tyagi बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Rinku Tyagi को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Neha Tyagi लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Rinku Tyagi की योनि सिंह है तथा Neha Tyagi की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी

रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Rinku Tyagi एवं Neha Tyagi दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण Rinku Tyagi एवं Neha Tyagi के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी Rinku Tyagi दवं Neha Tyagi को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

Rinku Tyagi का गण मनुष्य तथा Neha Tyagi का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Neha Tyagi का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Rinku Tyagi एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Rinku Tyagi एवं Neha Tyagi की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Rinku Tyagi व Neha Tyagi को शांति, सुख, सौभाग्य,

समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Rinku Tyagi की नाड़ी आद्य है तथा Neha Tyagi की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Rinku Tyagi की आद्य नाड़ी तथा Neha Tyagi की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Rinku Tyagi की जन्मराशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा Neha Tyagi की जन्मराशि अग्नितत्व युक्त सिंह है। वायु एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक समता होने के कारण Rinku Tyagi और Neha Tyagi के मध्य विषमताओं के साथ साथ स्वभावगत समानताएं भी विद्यमान होंगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में मधुरता होगी जिससे मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

Rinku Tyagi की राशि का स्वामी शनि तथा Neha Tyagi की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर शत्रु राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य परस्पर संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग भी अल्प ही रहेगा। फलतः परस्पर सुख दुख में सहयोग कम ही प्रदान करेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे तथा आपस में आलोचनात्मक दृष्टि कोण भी रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन में प्रतिकूलता रहेगी।

Rinku Tyagi एवं Neha Tyagi की राशियां परस्पर सप्तम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी। साथ ही आपस में प्रेम एवं सदभावना की भी वृद्धि रहेगी एवं सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर होंगे। इस प्रकार यदि Rinku Tyagi और Neha Tyagi बुद्धिमता तथा सामंजस्य से कार्य करें तो जीवन में शुभता आ सकती है।

Rinku Tyagi का वश्य मानव तथा Neha Tyagi का वश्य वनचर है। मानव एवं वनचर में नैसर्गिक शत्रुता तथा विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में विषमता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताएं भी अलग अलग रहेंगी। फलतः कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

Rinku Tyagi का वर्ण शूद्र तथा Neha Tyagi का वर्ण क्षत्रिय है अतः इनकी कार्य क्षमताएं भी असमान रहेंगी। Rinku Tyagi किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से करने में तत्पर रहेंगी परन्तु Neha Tyagi की प्रवृति साहसिक एवं पराक्रमी कार्यो को करने में रहेगी। अतः यदा कदा असंतोष का भाव भी परस्पर रहेगा।

धन

Rinku Tyagi और Neha Tyagi की तारा सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। इन पर भकूट का प्रभाव भी सम ही होगा लेकिन Rinku Tyagi पर मंगल का अशुभ प्रभाव रहेगा जिसके प्रभाव से समय समय पर आर्थिक उतार चढ़ाव का सामना कर सकते है। साथ ही लाभ एवं आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे।

इसके अतिरिक्त Rinku Tyagi की प्रवृति अनावश्यक रूप से व्यय करने की भी होगी जिसका आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अतः उन्हें चाहिए कि अनावश्यक व्यय की इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें तभी उनकी आर्थिक स्थिति अनुकूल रह सकती है।

स्वास्थ्य

Rinku Tyagi आद्य तथा Neha Tyagi अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई हैं। अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे परन्तु मंगल के प्रभाव से दोनों को समय समय पर शारीरिक कष्ट की प्राप्ति होती रहेगी। इससे दोनों गुप्त रोग या धातु संबंधी रोगों से परेशान रहेंगे तथा हृदय संबधी कोई कष्ट भी हो सकता है। Rinku Tyagi की रतिक्रिया में शिथिलता रहेगी जबकि Neha Tyagi की संभोग के प्रति उनके मन में उदासीनता का भाव रहेगा फलतः दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं होगा। अतः इस प्रभाव की न्यूनता के लिए Rinku Tyagi और Neha Tyagi को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Rinku Tyagi और Neha Tyagi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Rinku Tyagi और Neha Tyagi के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Neha Tyagi के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Neha Tyagi को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Neha Tyagi को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Rinku Tyagi और Neha Tyagi सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Rinku Tyagi और Neha Tyagi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Neha Tyagi के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका

बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Neha Tyagi यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Neha Tyagi को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Neha Tyagi को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

Rinku Tyagi की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Rinku Tyagi सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Rinku Tyagi ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Rinku Tyagi के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।